गजानन गणेशा है आया | Rekha Udasi

कितना सोना रूप है बनाया
गजानन गणेशा है आया
माता गौरी का ये दुलारा
सारे संसार का मन भाया

ढोल बाजे, बाजे नगाड़े
चाँद सूरज आये सितारे
तेरा श्रृंगार मन को है भाया
गजानन गणेशा है आया
कितना सोना रूप है बनाया
गजानन गणेशा है आया

फूल बिछाऊं आँगन सजाऊँ
अपने गणेशा को घर ले आऊं
रिद्धि सिद्धि को संग में है लाया
गजानन गणेशा है आया
कितना सोना रूप है बनाया
गजानन गणेशा है आया

आरती गाऊं टीका लगाऊं
मोतियों की माला तुम्हे पहनाऊं
लड्डू मोदक का भोग है लगाया
गजानन गणेशा है आया
कितना सोना रूप है बनाया
गजानन गणेशा है आया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%a8-%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a5%87%e0%a4%b6%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-rekha-udasi/